**B**

**(This Question Paper contains 2 printed pages)**

**Your Roll No. …….**

**आपका अनुक्रमांक……**

**S. No of Question Paper …….**

**प्रश्न पत्र का क्रमांक……**

| | | |
|---|---|---|
| **Unique Paper Code** | **:** | **62324407_OC** |
| **यूनिक पेपर कोड** | **:** | **62324407_OC** |
| **Name of the Course** | **:** | **B.A. (PROG) Political science** |
| **पाठ्यक्रम का नाम** | **:** | **बी.ए. (प्रोग्राम) राजनीति विज्ञान** |
| **Title of Paper** | **:** | **Introduction to International Relations, DSE** |
| **Semester/Annual** | **:** | **IV** |
| **सेमेस्टर / वार्षिक** | **:** | **IV** |

**Time: 3 Hours** **Maximum Marks: 75**

समय: **3** घंटे पूर्णांक: **75**

**Note:** Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should be followed throughout the paper.

इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Any Four** questions.
All questions carry equal marks.
किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Critically evaluate the World System Theory.
   विश्व व्यवस्था सिद्धांत का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

munotes.in

2. What is the importance of the feminist perspective to the study of international relations? Discuss.

   अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन को समझने में नारीवादी दृष्टिकोण का महत्त्व क्या है? चर्चा कीजिए।

3. Examine the end of Second World War and discuss the causes for the emergence of Cold War.

   द्वितीय विश्व युद्ध के अंत का परीक्षण कीजिए और शीत युद्ध के उद्भव के कारणों की चर्चा कीजिए।

4. Examine the emergence of the new centers of powers in the post-Cold War era.

   शीत युद्ध के बाद के युग में शक्तियों के नए केन्द्रों के उद्भव का परीक्षण कीजिए।

5. Write a brief essay on determinants of India's foreign policy. Discuss the challenges before India as an emerging power in the 21st century?

   भारत की विदेश नीति के निर्धारकों पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए। 21वीं सदी में एक उभरती हुई शक्ति के रूप में भारत के समक्ष चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

6. Critically evaluate the role of India as the leader of the Non-alignment Movement. Do you think it provided an alternative to the developing nations to bloc politics during the Cold War? Give argument in favour of your answer.

   गुटनिरपेक्ष आंदोलन के प्रनेता  के रूप में भारत की भूमिका का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। क्या आप सोचते हैं कि इसने विकासशील देशों को शीत युद्ध के दौरान गुटों की राजनीति के विपरीत विकल्प प्रदान किया? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

munotes.in